

२२/२/२२

याही एवं वकील याही उप० नहीं।
सार- सार आवाज दिलायी गई।
किन्तु कोई उप० नहीं आया। ऐसा
स्थिति में या० पत्र याही उद्म
हाजरी एवं उद्म पत्र में खालि
लिखा जाता है। पत्र० बालिवे दफतर
है।

उप खण्ड अधिकारी
महाड़ी (मरलपुर)